राजस्थान पत्रिका

Tuesday, September 27, 2011

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम जारी

बेंगलूरु. इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस इंजीनियरिंग एन्ड मैनेजमेंट (आईआईएईएम) तथा जैन विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में कनकपुरा तहसील के जक्कसंद्रा स्थित जैन ग्लोबल कैंपस में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। नए पाठ्यक्रम को नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरी (एनएएल), डिफेंस रिसर्च एंड डवलपमेंट आर्गनाइजेशन (डीआरडीओ), एयरपोर्ट एथोरिटी ऑफ इंडिया (एएआई), बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट एथोरिटी (बीआईएएल) के सहयोग से सोसाइटी ऑफ इंडियन एयरोस्पेस टेक्नोलॉजिज एन्ड इंडस्ट्रीज ने तैयार किया है।

केन्द्रीय योजना आयोग के सदस्य तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ के. कस्तूरीरंगन ने पाठ्यक्रम को जारी किया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के पूर्व अध्यक्ष तथा गवर्निंग काउंसिल के सदस्य डॉ सीजी कृष्णदास नायर ने कहा कि पहली बार किसी विश्वविद्यालय में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में स्नातक तथा स्नातकोत्तर शिक्षा के अतिरिक्त शोध की सुविधा उपलब्ध होगी।

जैन ग्लोबल कैंपस में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में पीएचडी, एमटेक के साथ हवाई अड्डे की संरचना में व्यापार प्रबंधन आदि पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे। जैन शिक्षण संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ आर चेनराज जैन ने कहा कि आगामी वर्षों में नागरिक उड्डयन क्षेत्र विशिष्ट पहचान हासिल करने वाला है। साथ ही इसमें कई गुणा विकास की उम्मीद है। ऐसे में इस क्षेत्र में इंजीनियरों की मांग बढ़ रही है। मांग के अनुसार ही पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद थे।